61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

जिंदगी ही नशा है।

अपने जिंदगी -
अपने नशा।

भारतवर्ष में एक ऐसा समय था जब क्रिकेट, सिनेमा, नृत्य, संगीत आदि एक इनसान केलिए नशा रहा था। पर आज समय इतना बदला है कि प्रत्येक व्यक्ति नशीले वस्तुओं के गुलाम बन गए है। जिस व्यक्ति ने अपनी जिंदगी को नशा मान रहा था अब उसी इनसान नशीले पदार्थों के पीछे भाग रहे है। रोज़ हम रोज़ नशे से जुडे, नशीले वस्तुओं से जुडे खबर सुनते है। इससे ये साबित

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

होता है कि नशीले वस्तुओं का प्रभाव समाज पर जो प्रभाव है, वह हमारे सोच के भी बाहर है।

एक आम आदमी को भी पता है नशीले चीजों की बुरे असर के बार में। फिर भी लोग नशे के ओर अपना कदम बढ़ाता है। नशीले चीजों में ऐसा क्या है जो हर मनुष्य को अपने ओर खींच लेता है? क्यों मानव नशीले वस्तुओं की गुलाम बन रहे है?

नशे करने की वजहें:-

लोग अपने दुःख, दर्द, पीड़ा आदि को भूलने केलिए नशा करता है। और ये बात सच है कि जब वह नशे करने है, उस क्षण केलिए वह

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

अपने सारे परेशानियाँ भूल जाता है। पर जब नशे की असर कम होते है तब वह फिर दर्द में डूब जाते है।

दूसरा एक कारण जिस के वजह व्यक्तियाँ नशा करता है

दूसरा एक कारण मित्रों की प्रभाव है जिसके वजह से लोग नशीडे बन जाते है। ज्यादातर लोग अपने मित्रों के बातों को मना नहीं कर सकते है। उनकी दबाव में आकर वह व्यक्तियाँ नशे करता है और दूसरी बार उन चीज़ों की उपयोग करने से खुद को रोक नहीं पाते है।

जिंदगी की सबसे बडी मुश्किल स्थिति बेशक अकेलापन ही है। मनुष्य हमेशा दूसरों का साथ चाहता है। जब उसको इनसानों की साथ नहीं

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

मिलते है तो वह दूसरी चीजों की तलाश करते है जो उसकी अकेलापन को मिठा सकता है। आजकल छोटे बच्चे भी नशे करते है। माता-पिता अपने कामों में व्यस्थ है और उनके पास अपने बच्चों केलिए वक्त नहीं है। अपने बाते सुनने केलिए और संकट बताने केलिए उन्हें माँ-बाप न होने के कारण वह धीरे-धीरे नशीले चीजों की उपयोग करना शुरु करता है। माता-पिता के प्यार न मिलना भी नशे के ओर बढने केलिए बच्चों को मजबूर करते है।

कई लोग अपने जिज्ञासा के वजह नशा करते है। अनिद्रा, गुस्सा आदि भी नशा करने के कारण बन जाते है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

नशा विविध रूप का :-

दुनिया में इनसान को पहले सिर्फ एक ही नशा थे, अपनी जिंदगी। लेकिन आज जिंदगी के अलावा बाकी सब कुछ उनकी नशा बन चुके है। इस आधुनिककाल में हमें विभिन्न तरह के नशे मिलते है। कोकीन, हैशिश, मरिजुआना, शराब, सिगरेट, एम डि एम ए आदि उन नशीले चीजों के से 3 कुछ है।

नशीले चीजों का असर

नशीले वस्तुओं के उपयोग व्यक्ति के जीवन की सारे स्तरों पर बुरा असर डालता है। उसकी व्यक्तिगत जीवन में, परिवार में, आर्थिक स्थिति आदि सब में नशा के ~~प्रभाव~~ असर

पड़ता है।

एक सुखी परिवार में जब नशा के बीज बोएगें तो वहाँ की खुशी ~~कम~~ मिट जाएँगी। एक नशीड़े आदमी कभी अपने परिवार के साथ खुश नहीं रहते। बेवजह उस घर में रोज ~~झगड़~~ जगड़ा होते रहेगा और ~~यह~~ धीरे-धीरे उस परिवार की नाश में हो जाते है।

नारियाँ अपने परिवार के मर्दों द्वारा पीड़ित हो रहा है। आजकल घरेलू दुर्व्यवहारा की संख्या बढ रहा है। कई न कई इसके पीछे नशा का ही हाथ है। शराबी पति या नशेड़ी बेटा घर की नारी को हर दिन चोट पहूँचाते है।

चिंता की बात ये है कि कि आज नारियाँ भी नशे करते थे। नारियों की नशा करने से हालत और

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

बिगड गयी है। स्त्रीयाँ कई साल पहले तक घर को जोड़कर रखते थे। पर अब वह खुद टूट रही है। नशीलों चीज़ों के कारण उनको भविष्य में सन्तानों पैदा करना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे यह है स्वास्थ्य मंत्रालय का एक शोध के से पता चला है। नशे करने माँ-बाप के बीच एक बच्चा कभी ठीक से नहीं रह पाता। उनको प्यार और ध्यान देने में माता-पिता हार जाते है। इसका परिणाम ये है कि बच्चे अकेला बन जाते है और वह भी नशे के दुनिया में कदम रखने है।

एक आदमी की आर्थिक स्थिती पर भी नशा का असर होता है। अकसर हम सोचते है कि सिर्फ

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 948 Participant Code: 108

अमीर लोग ही नशा करते है। पर ये सोच बिलकुल गलत है। गरीब लोग भी आज नशीले वस्तुओं के काबु में है। नशा करने केलिए पैसा ज़रूरी है और वे अपने सारे पैसे खर्च कर नशीले वस्तुएँ लेते है।

नशीले चीज़ों का सबसे बुरे असर स्वास्थ्य पर पड जाते है। नशीले चीज़ों के कारण लंग कैन्सर गुर्दे के खराबी, बदन दर्द आदि होता है। मस्तिष्क में नशीले पदार्थों का असर ज़्यादा होता है। चिडचिडापन, घबराहट, दुख आदि भी नशे के कारण होते है।

नशा और विद्यार्थी:

नशीले वस्तुएँ आजकल विद्यालयों में भी जड पकड लिया है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

नशे के वजह एक विद्यार्थी अपने सबसे बड़ा फर्ज जो है पढ़ाई उसको भूल जाती है। वह गैर कानूनी ~~कामों~~ काम करना शुरू करता है। उनके सीखने और याद रखने की क्षमता कम होते जाते है।

ये सारे बुरे फल के साथ नशा ~~करनेवाले~~ की एक और बुराई है। नशीले चीजें अपने नशा करनेवालों को अपने काबू में रखते है। आत्महत्या, हत्या, बलात्कार, चोरी आदि अब इस वजह से बढ़ रही है।

जिंदगी है सुन्दर:

हर ~~एक~~ इनसान को इस दुनिया में अमूल्य स्थान होता है। सब को अपनी मंजिलें होती है, अलग-अलग राहें होते है, लेकिन सबका

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

नियम अच्छाई होना चाहिए। हमारे हुनर और धीरज से हमें अपना ~~लक्ष~~ लक्ष्य तक पहुँचना है। लेकिन अगर हमारे इस यात्रा की बीच नशीले चीज़े आ जाते है तो हमें अपनी सफर को बीच में ही छोड़ना पड़ेगा।

सालों भर की हमारे मेहनत हमारे सपने सब नशे के आगे झुक जाता है। इसलिए नशे के चपेट में न आ कर हमें अपने ज़िंदगी को खुबसुरत बनाना है।

नशीले चीज़ों को दूर कैसे करें ?

नशे करने की आदत को दूर करने केलिए सबसे पहले एक व्यक्ति को दूसरों के साथ चाहिए। अपनो के प्यार अगर दवा बन जाते है तो ~~चीज़े~~ इस काम आसान होगा।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

नशामुक्ति केन्द्रों में भर्ती करके नशा करने के आदत को दूर कर सकता है।

नशा के विरुध संदेशों प्रचार करना और नशा के विरुध जागृता बटना सब नशे को इस देश से मिटाने के लिए हमारी मदद करेगा।

नशामुक्त देश के ओर

अगर हम नशे के दुनिया में कदम रखेगा तो हमारा नाश ज़रूर होगा। इसलिए बहुत सतर्कता के साथ हमें नशीले चीजों के विरुध लड़ना है। एक कहावत है: "हवन करते हाथ जले जाए" मतलब अच्छाई के बदले बुराई मिलना। अकसर हम नशे को एक सहारा समझते है पर यही सहारा हमें पूरे तरह तोड़ेगा।

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 108

हमारे ज़िंदगी को ही
नशा मान कर, नशीले चीज़ों के काबू
से मुक्त हो पाए। नशा नहीं करने
वाला हमेशा ऐसा ही रहे।
बदलाव हरेक विद्यालय से होना
चाहिए। नशामुक्त विद्यालय से एक
नशामुक्त देश तक का सफर
आज ही शुरु करें। अपने ज़िंदगी
को ही अपना नशा बना दीजिए..!